

अनजाना भय...



लेखन
श्रीश कुमार तिवारी

चित्रांकन
रुचिरा भट्टाचार्या

प्रथम संस्करण

नवंबर 2025 कार्तिक 1947

PD 3T M

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2025

₹ 35.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 100 जी.एस.एम. आर्ट पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग
में प्रकाशित तथा सरस्वती ऑफ़सेट प्रिंटर्स (प्रा.) लि., ए-5,
नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II, नई दिल्ली 110028
द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की विक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। खंड की मूल्य अथवा चिपकाई गई पंक्ती (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैपस, श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड, हेली एक्सटेंशन, होस्टेकेरे,
बनाशंकरा III इस्टेज, बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन, डाकघर नवजीवन,
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैपस, निकट धनकल बस स्टॉप पिनहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स, मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	एम. वी. श्रीनिवासन
मुख्य संपादक	:	बिज्ञान सुतार
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	अमिताभ कुमार
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	दीपक जैसवाल
सहायक संपादक	:	मीनाक्षी
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	सायुराज ए आर

लेआउट

मो. नाज़िम

कहानियाँ कहती हैं...!

कहानियाँ जीवन से जुड़े खट्टे-मीठे अनुभव, जीवन जीने का मनोबल और ऐसे विषयों के बारे में सहज रूप में जानकारी देती हैं जिन्हें जानना और समझना बहुत आवश्यक है। डिजिटल दुनिया हो या स्त्री-विमर्श, प्रकृति का संरक्षण हो या आजीविका के साधन, जीवन की चुनौतियों का सामना और समाधान हो या मतदान देने का अधिकार हो— सभी विषय ऐसे हैं जो जीवन को उत्कृष्ट रूप से जीने में सहायता करते हैं। 'महत्वपूर्ण जीवन-कौशल' के विभिन्न विषयों के इर्द-गिर्द बुनी गई सभी कहानियाँ पढ़ने का आनंद देने के साथ-साथ समझ, तर्क, विश्लेषण और उचित निर्णय आदि कुशलताओं का द्वार भी खोलती हैं। आइए, इन्हें पढ़ें, समझें और आगे बढ़ें!

कार्यक्रम समन्वयक— उषा शर्मा, आचार्य एवं प्रभारी, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

मार्गदर्शन— नीना सबनानी, एनिमेटर एवं सहायक संकाय, डिजाइन विभाग, आई.आई.टी., हैदराबाद

आभार ज्ञापन

परिषद् पुस्तक के निर्माण में सहयोग करने के लिए अक्षय कुमार दीक्षित, मेंटर, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली; श्याम सिंह सुशील, लेखक तथा आई.आई.टी. हैदराबाद से प्रसाद एस. ओंकार, विभाग प्रमुख एवं सह-आचार्य, डिजाइन विभाग; दीपक जॉन मैथ्यू, आचार्य; डेवलिन जूड रेमेडियोज, सहायक आचार्य; अंकिता राय, सहायक आचार्य; मोहम्मद शाहिद, सहायक आचार्य; सौरव देवरी, सहायक आचार्य, डिजाइन विभाग; शुहिता भट्टाचार्य, सहायक आचार्य, लिबरल आर्ट विभाग का आभार व्यक्त करती है।

परिषद् गौतम गोस्वामी, सहायक आचार्य, एनिमेशन एवं मल्टीमीडिया विभाग, बी.आई.टी., जयपुर; विभूति पंड्या, विभाग प्रमुख एवं सहायक आचार्य, एनिमेशन एवं मल्टीमीडिया विभाग, बी.आई.टी., जयपुर; मो. शाह आलम, वरिष्ठ परामर्शदाता (आई.सी.टी.), राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; भावना खेड़ा, कनिष्ठ परियोजना अध्यापिका, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली तथा संपादकीय सहयोग के लिए प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. के मोहन शर्मा, सहायक संपादक (संविदा); राकेश कुमार, सीनियर प्रूफरीडर; प्रियंका, प्रूफरीडर (संविदा) तथा पुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए सुरेंद्र कुमार, प्रभारी, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ; मनोज कुमार, डी.टी.पी. ऑपरेटर (संविदा) का आभार ज्ञापित करती है।

अनजाना भय...

लेखन

श्रीश कुमार तिवारी

चित्रांकन

रुचिरा भट्टाचार्या



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING



क्या बात है वंदना,
तुम परेशान लग
रही हो?



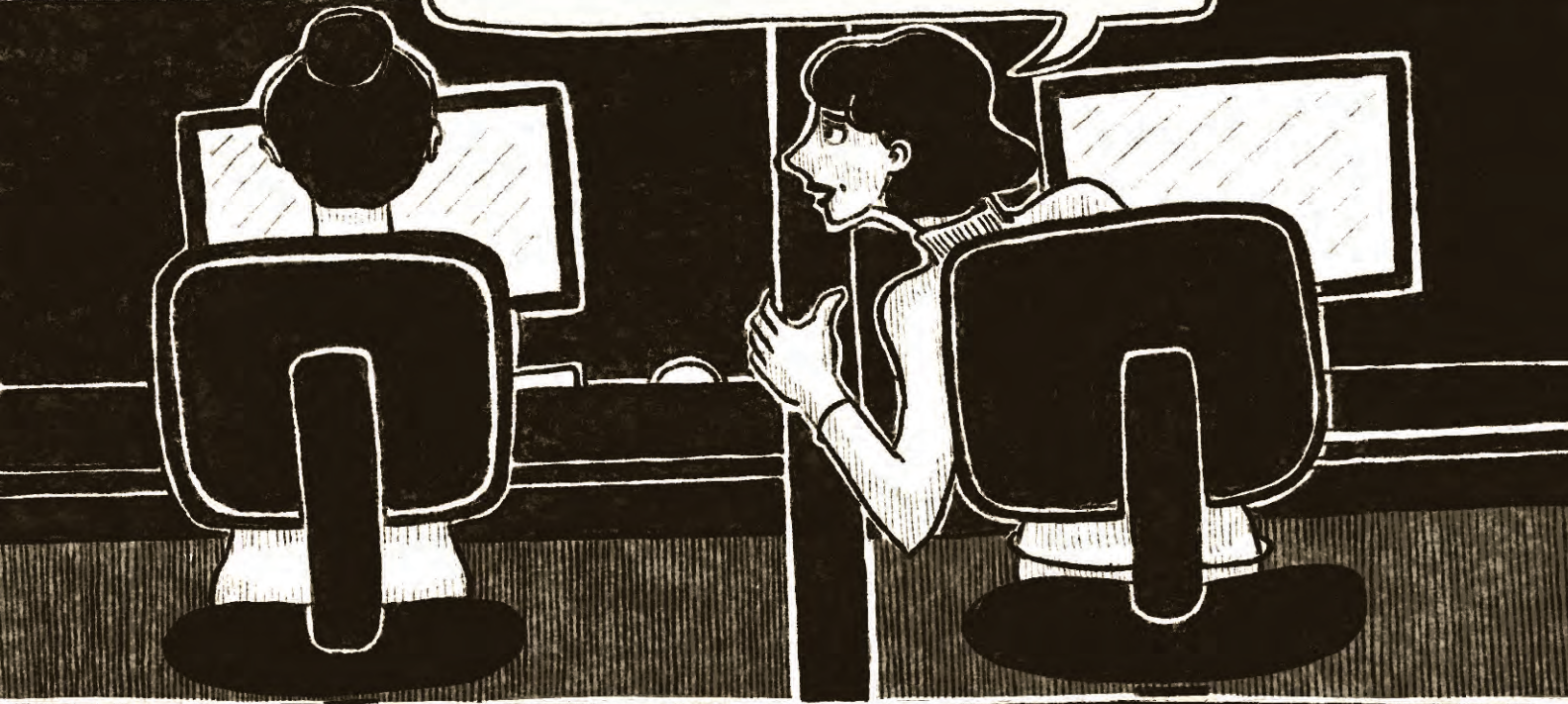
नहीं, माँ। ऐसी कोई बात नहीं है।







अगर कोई परेशानी है तो तुम मुझे बता सकती हो। आखिर बात क्या है?





मुझे लगता है, कुछ
दिनों से कोई मेरा...

पीछा...

...कर रहा है।



क्या सच में?

कौन है वो?

और

कब से चल रहा है ये?

पता नहीं। लेकिन पिछले एक महीने से ऐसा लगता है कि मैं कहीं भी जाती हूँ तो कोई आस-पास होता है।



तभी से मेरे सोशल मीडिया पर भी किसी फेक प्रोफाइल से लाइक्स और भद्दे कमेंट्स आने लगे हैं।



लेकिन ऐसा कौन कर सकता है?

क्या मैं तुम्हारी सोशल मीडिया प्रोफाइल देख सकती हूँ?



पता नहीं! मुझे तो कुछ समझ नहीं आ रहा।

हाँ, यह देखो।





ये लाइक्स और कमेंट्स तो पिछले महीने से हर रोज़ आ रहे हैं। क्या तुम एक महीना पहले कहीं गई थी?

क्या वहाँ कुछ हुआ था?

क्या किसी अनजान नंबर से फोन भी आया है?

हाँ! श्रीवास्तव आंटी के यहाँ पार्टी में गई थी।

नहीं, ऐसा तो कुछ नहीं हुआ।

नहीं!



अच्छा,
चलो मेरे साथ।



लेकिन
कहाँ?

देखिए, यह
स्टॉकिंग का
मामला है।



श्री रवि कुमार
वरिष्ठ अधिवक्ता

स्टॉकिंग या पीछा करना भारतीय न्याय संहिता
की धारा 78 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।



साथ ही, साइबर स्टॉकिंग या ऑनलाइन माध्यम से की गई
स्टॉकिंग भी सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 67
और 67ए के अंतर्गत दंडनीय है।



नाइस पिक डियर!

पहचाना मुझे?

कल तुम्हें बाज़ार में देखा था!

वैरी ब्यूटीफुल!

तुमसे मिलना है।



साइबर स्टॉकिंग के 3 प्रमुख प्रकार हैं —

1. ईमेल स्टॉकिंग
2. इंटरनेट स्टॉकिंग
3. कंप्यूटर स्टॉकिंग

और हमें इनसे सुरक्षित रहना आना चाहिए।



अब मुझे क्या
करना चाहिए?



आप अपनी शिकायत नज़दीकी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाइए और उन्हें अपनी पूरी बात बिना डरे, सही-सही बताइए। ऐसे अपराधी हमारे चुप रहने का फ़ायदा उठाते हैं और पुलिस से बच जाते हैं। इस तरह इनका मनोबल बढ़ता है और आप जैसे नागरिकों का मानसिक तनाव।



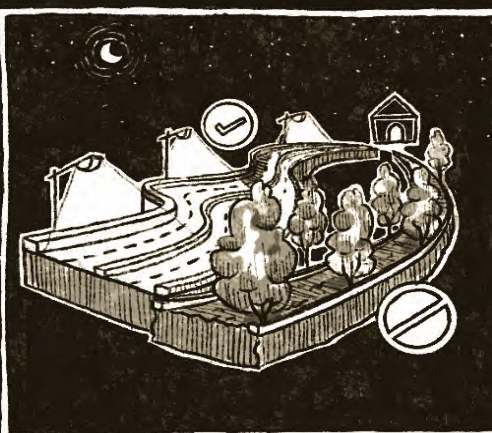
और ध्यान रखें कि...



अपनी निजी जानकारी
सोशल मीडिया पर
साझा न करें।



अपने आस-पास के लोगों
और उनकी गतिविधियों की
जानकारी रखें।

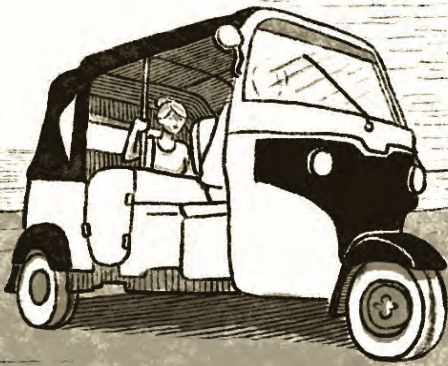


समय बचाने के लिए
सुनसान रास्तों या शॉर्टकट्स
का उपयोग न करें।

कुछ दिन बाद...

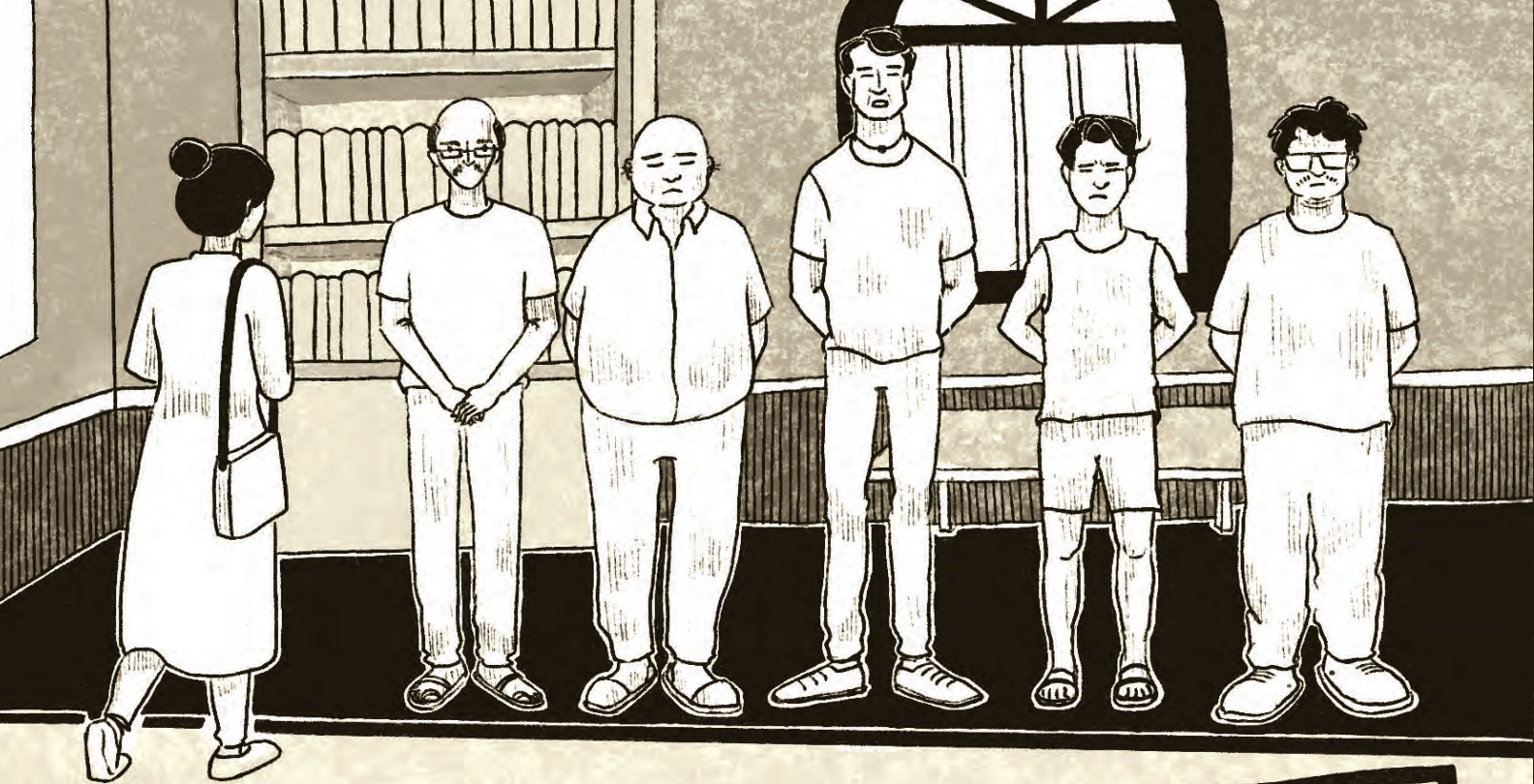
हैलो...

नमस्ते मैडम!
मैं पुलिस स्टेशन
से बोल रहा
हूँ। क्या आप
अभी यहाँ आ
सकती हैं?



आइए मैडम, हमने शक की बिनाह पर कुछ
लोगों को गिरफ्तार किया है। देखिए, क्या
आप इनमें से किसी को पहचानती हैं?





अरे तुम!



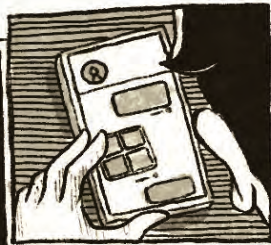
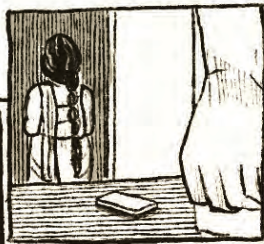
सर, मैं इसे पहचानती हूँ
श्रीवास्तव आंटी की पार्टी में यह सबको खाना परोस रहा था।

लेकिन मेरा नंबर इसके पास कैसे पहुँचा?

बताता हूँ
बताता हूँ!!

अब सब कुछ
सच-सच बताओ।

सर, ये श्रीवास्तव मैडम के साथ व्हाट्सएप पर जुड़ी हैं। जब मैं पार्टी के बाद उनसे पेमेंट लेने गया, तब वे अपना फोन टेबल पर रखकर कमरे से पैसे लेने गईं। मैंने देखा कि वे इन्हीं को कुछ फोटो भेज रही थीं। चूँकि मैंने इन्हें पार्टी में देखा था तो पहचान गया और मैंने मैडम के फोन से इनका नंबर ले लिया। इनका सोशल मीडिया अकाउंट इसी नंबर से जुड़ा हुआ है तो मैं इन्हें मैसेज भेजने लगा।





सोशल मीडिया के फ़ायदे तो हैं लेकिन समझदारी से इस्तेमाल न किया जाए तो कुछ नुकसान भी हैं। इसका उपयोग पूरी सावधानी और सुरक्षा से करने के लिए नीचे दी गई कुछ बातों का हमेशा ध्यान रखें—



किसी अनजान व्यक्ति से मित्रता का आग्रह स्वीकार न करें।



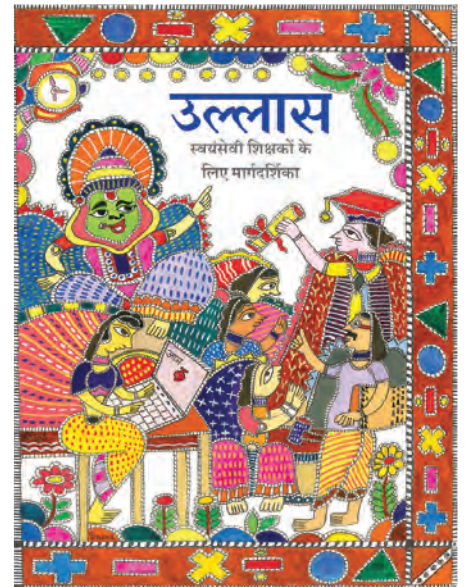
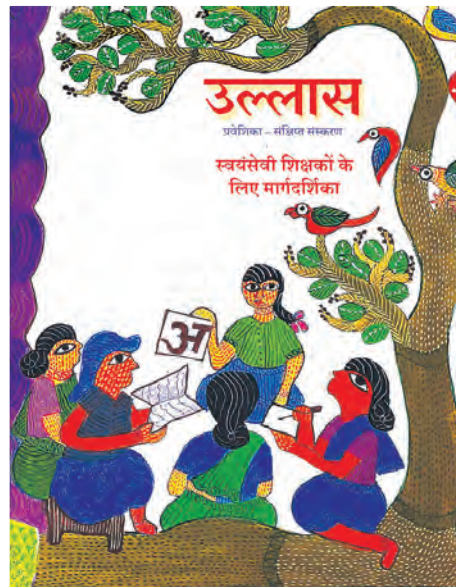
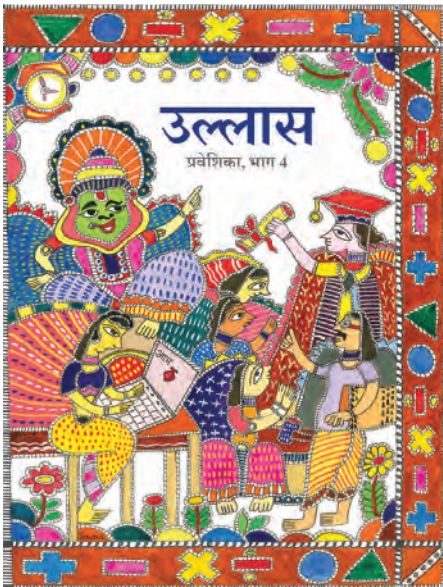
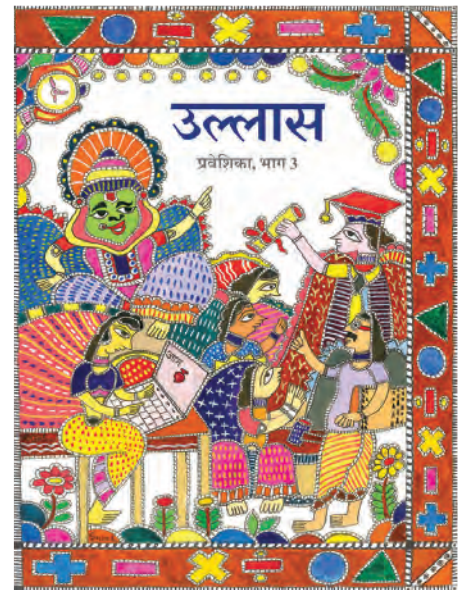
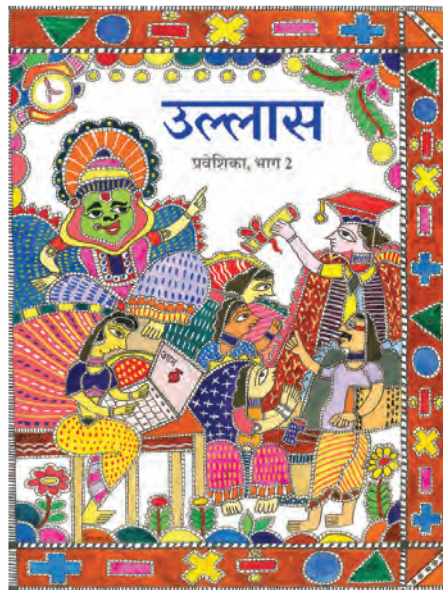
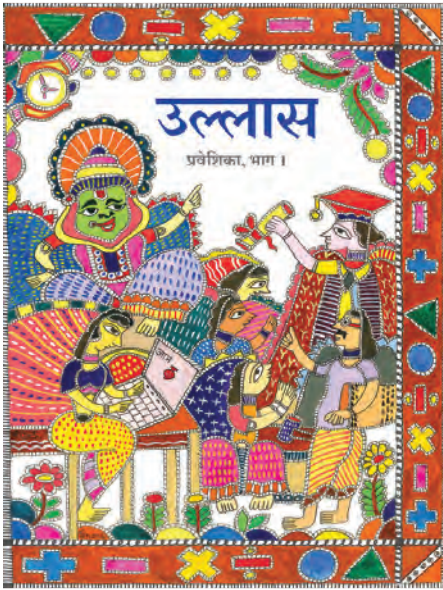
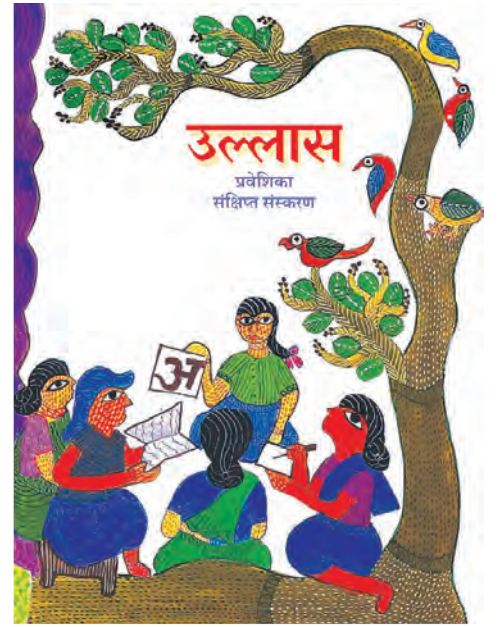
विकल्पों द्वारा तय करें कि कौन आपके पोस्ट देख सकता है और उन पर कमेंट्स कर सकता है।



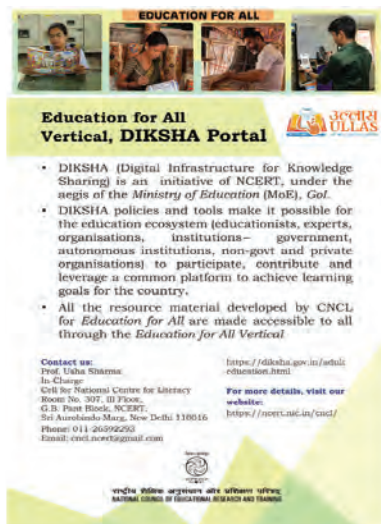
ओरिजिनल एंटी-वायरस और इंटरनेट सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर का ही उपयोग करें।



CELL FOR NATIONAL CENTRE FOR LITERACY
राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र-प्रकोष्ठ



EDUCATION FOR ALL



Education for All Vertical, DIKSHA Portal

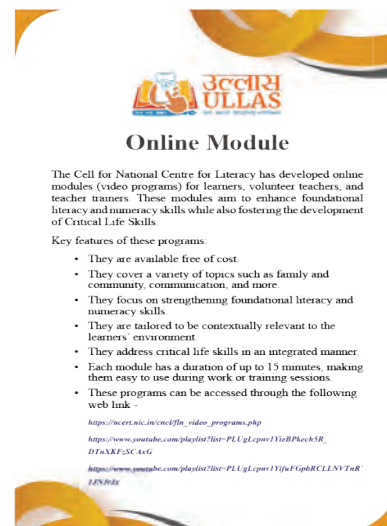
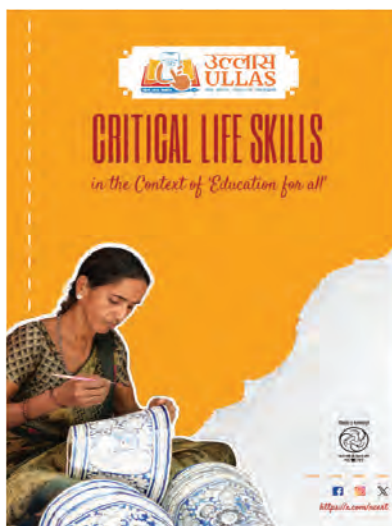
- DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing) is an initiative of NCERT, under the aegis of the Ministry of Education (MoE), Gov.
- DIKSHA policies and tools make it possible for the education ecosystem (educationists, experts, organisations, institutions— government, autonomous institutions, non-govt and private organisations) to participate, contribute and leverage a common platform to achieve learning goals for the country.
- All the resource material developed by NCCL for Education for All are made accessible to all through the Education for All Vertical.

Contact us:
Prof. Usha Sharma,
In-Charge
Cell for National Centre for Literacy
Room No. 307, 2nd Floor,
G.B. Pant Block, NCERT,
Shri Aurobindo Marg, New Delhi 110016
Phone: 011-26592623
Email: cncl.ncert@gmail.com

<https://diksha.gov.in/adult-education.html>

For more details, visit our website:
<https://ncert.nic.in/cncl/>

राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

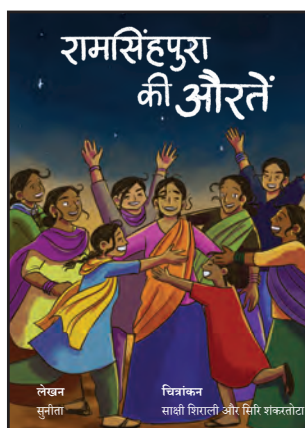
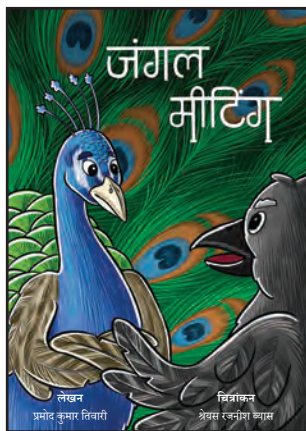
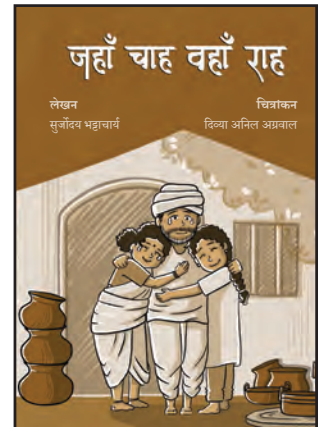
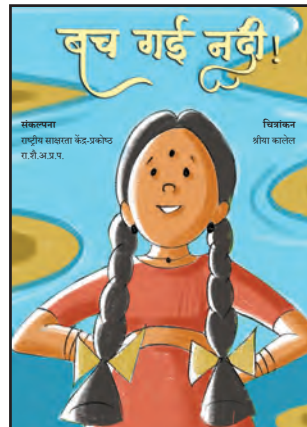
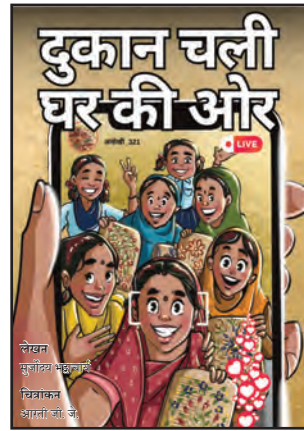


DIKSHA (Education for All Vertical)
<https://diksha.gov.in/adult-education.html>

CNCL Website
<https://ncert.nic.in/cncl/>

महत्वपूर्ण जीवन-कौशल पर आधारित

कथा श्रृंखला



राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय
आपका डिजिटल पुस्तकालय!
असंख्य वृत्तांत प्राप्त करने
के लिए स्कैन एवं डाउनलोड करें।



इंटरनेट के शोर में होकर
मशगूल ...
सुरक्षा उपायों को न जाना
भूल!

21236

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 978-93-5729-976-3